

(42)

समक्ष : माननीय राजस्व मण्डल मध्य प्रदेश ग्वालियर

निगरानी /2015

क्रमांक : 3997-I-15

वीरेन्द्र कुमार तनय श्री रामकिशोर अग्निहोत्री
निवासी ग्राम खैरी तहसील राजनगर जिला
छतरपुर म.प्र. ।

.....आवेदक

विरुद्ध

बाबूलाल उर्फ बबू बसोर पिता मुन्नी बसोर
निवासी ग्राम खैरी तहसील राजनगर जिला
छतरपुर म.प्र. .

.....अनावेदक

निगरानी अंतर्गत धारा 50 मध्य प्रदेश भू- राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत एवं सहपठित धारा 32 के अंतर्गत विरुद्ध श्रीमान नायव तहसीलदार महोदय प्रणारी क्षेत्र बसारी तहसील राजनगर जिला छतरपुर के प्रकरण क्रमांक 75/अ-6/2014-2015 में पारित आदेश दिनांक 20.11.2015 से दुखित होकर निगरानी ।

श्रीमान जी,

आवेदक की ओर से निवेदन निम्न प्रकार है-

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य

1. यहकि, प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि ग्राम खैरी की भूमि खसरा नम्बर 972 किता 1 रकवा 0.672 है0 का खाता अनावेदक के नाम है उक्त भूमि के जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 12.3.2014 से आवेदक द्वारा कय किया था। उक्त भूमि के विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक ने नामांतरण कराने हेतु आवेदन पत्र विधिवत एवं नियमानुसार धारा 109,110 म.प्र. भू-राज्य संहिता 1959 के तहत अधिनस्थ न्यायालय तहसीलदार राजनगर जिला छतरपुर के समक्ष पेश किया जिसका प्रकरण क्र

श्री. वीरेन्द्र कुमार तनय
द्वारा आज दि. 15-12-15
प्रस्तुत
72
वैलक ऑफ कोर्ट
छतरपुर म.प्र.

15-12-15
श्रीमान जी
18



Xxxix(a)-BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक 3997 दो / 2015 निगरानी

जिला छतरपुर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही एवं विवरण	पक्षकारों एवं अभि.के हस्ता
4-2-16	<p>आवेदक के अभिभाषक के प्रारंभिक तर्क सुने गये तथ प्रस्तुत अभिलेख का अवलोकन किया गया। यह निगरानी नायव तहसीलदार, वृत्त बसारी तहसील राजनगर जिला छतरपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 75 अ-6/2014-15 में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 20-11-15 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2/ आवेदक के अभिभाषक के तर्कों के अनुसार आवेदक ने ग्राम खैरी स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 972 रकबा 0.672 हैक्टर अनावेदक बाबूलाल बसोर पुत्र मुन्नी बसोर निवासी ग्राम खैरी से जर्ज पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 12.3.14 से क्रय की है एवं क्रय उपरांत नायव तहसीलदार के समक्ष नामान्तरण आवेदन प्रस्तुत किया, परन्तु नायव तहसीलदार वृत्त बसारी के समक्ष विक्रेता द्वारा सहमति देने एवं अन्य कोई आपत्ति न आने के वाद भी उसका नामांतरण न करे प्रकरण में बेबजह विलम्ब कर रहे हैं। उन्होंने निगरानी स्वीकार करने की प्रार्थना की।</p> <p>3/ आवेदक के अभिभाषक के तर्कों पर विचार करने एवं उपलब्ध अभिलेख के अवलोकन पर स्थिति यह है कि ग्राम खैरी स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 972 रकबा 0.672 हैक्टर विक्रय पत्र दिनांक 12-3-14 के पूर्व बाबूलाल बसोर पुत्र मुन्नी बसोर निवासी ग्राम खैरी के स्वत्व एवं स्वामित्व की होकर उसके नाम शासकीय अभिलेख में भूमिस्वामी दर्ज रही है जिसे उसने विक्रय पत्र दिनांक 12.3.14 से आवेदक के हित में</p>	



विक्रय किया है। आवेदक ने विक्रय पत्र के आधार पर नायब तहसीलदार के समक्ष नामांतरण आवेदन दिनांक 25-2-15 को प्रस्तुत किया है इसके उपरांत नायब तहसीलदार ने प्रकरण में इसी तिथि को इस्तहार जारी करने के आदेश दिये हैं। इस्तहार जारी होने पर कोई आपत्ति नहीं आई है एवं विक्रेता भी नामान्तरण करने पर सहमति दे रहा है। ग्राम खेरी स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 972 रकबा 0.672 हैक्टर अनावेदक बाबूलाल बसोर पुत्र मुन्नी बसोर निवासी ग्राम खेरी के नाम सन् 1969 से शासकीय अभिलेख में अंकित आ रही है जैसाकि प्रस्तुत खसरा प्रमाणित प्रतिलिपियों की छायाप्रति से प्रमाणित है। जब रिकार्डेड भूमिस्वामी ने भूमि विक्रय की है। इस्तहार जारी करने पर कोई आपत्ति नहीं आई है विक्रेता नामान्तरण पर सहमति व्यक्त कर रहा है एवं राजस्व न्यायालय विक्रय पत्र की वैधता की जांच करने हेतु सक्षम नहीं है तथा विक्रय पत्र पर से स्वत्व का प्रश्न विनिश्चित न होकर मात्र शासकीय अभिलेख अद्वतन किया जाता है, विक्रय पत्र दिनांक 12.3.14 पर से नामान्तरण किये जाने में किसी प्रकार की वैधानिक अड़चन नहीं है।

4/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी स्वीकार की जाकर नायब तहसीलदार, वृत्त बसारी तहसील राजनगर जिला छतरपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 75 अ-6/2014-15 में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 20-11-15 को निरस्त करते हुये निर्देश दिये जाते हैं कि विक्रय पत्र दिनांक 12.3.14 पर से वाद विचारित भूमि पर आवेदक की सुनवाई कर 30 दिवस के भीतर नामांतरण किया जावे।


सदस्य